

संपादकीय

राष्ट्रीय एकता के सूत्र

संघ प्रमुख का सतर्क-नागरिक भूमिका पर बल

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस पर होने वाले बहुचर्चित दशहरा संबोधन में संघ प्रमुख ने कहा कि हम सुनिश्चित करें कि हमारी समस्याओं का समाधान विरोध-प्रदर्शनों के बजाय समाज के भीतर से निकले। साथ ही कहा कि भारत को तोड़ने की कोशिशें सफल नहीं होंगी। यह अतार्किक है कि सत्ता बदलने से परिस्थितियाँ बदल जाएंगी। अतीत में भी ऐसा नहीं हुआ और भविष्य में भी न होगा। दरअसल, देश में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एसआईआर में कथित अपारदर्शिता को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों और बाद में ‘रिजीम चेंज’ के बयानों के आलोक में भागवत ने ये टिप्पणी की।

यह अतार्किक है कि सत्ता बदलने से परिस्थितियाँ बदल जाएंगी। अतीत में भी ऐसा नहीं हुआ और भविष्य में भी न होगा। दरअसल, देश में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एसआईआर में कथित अपारदर्शिता को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों और बाद में ‘रिजीम चेंज’ के बयानों के आलोक में भागवत ने ये टिप्पणी की। साथ ही यह भी कहा कि हाल के वर्षों में देश ने तमाम विषम-परिस्थितियों के बावजूद जो आशातीत प्रगति की है,उसे बाधित न कर पाने वाली विदेशी ताकतें हमारी एकता को तोड़ने की कोशिशें कर रही हैं। उनका मानना था कि जब विरोध-प्रदर्शनों की तीप्श पर राजनीतिक दल रोटियाँ सेंकने लगते हैं तो आंदोलन का प्रयोग अराजकता व सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने में होता है। देश को विकसित राष्ट्र बनने के मार्ग से भटकाने वाली विदेशी ताकतों से नागरिकों को सतर्क रहने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि पश्चिम से उठा एक तूफान-संस्कृति, व्यवस्था व सुरक्षा आदि को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस बाबत प्रंस, बांग्लादेश और नेपाल आदि के उदाहरण देकर, इन देशों में हुए आंदोलनों के निहायथों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में भी कुछ लोग ऐसी ही ताकतों का समर्थन करते नजर आते हैं। जिसके फल में सत्ता हासिल करने की लालसा भी है। भागवत ने परतंत्र भारत में ‘वंदे मातरम’ को बंगाल की एकता के पर्याय के रूप में दर्शाया। उन्होंने कहा कि जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल को धार्मिक आधार पर विभाजित करने का प्रयास किया तो समाज ने इसका दृढ़ता से विरोध किया। मजबूतान ब्रिटिश सरकार को अपना निर्णय बदलना पड़ा।

विडंबना यह रही कि देश की आजादी के समय ऐसा न हो सका क्योंकि लोग नफ़्फ़त में उलझ गए और राष्ट्रीय एकता को भूल गए। अंग्रेजों ने लोगों में यह धारणा बैठा दी कि हम अलग दिखते हैं, अतः हकीकत में भी अलग और एक-दूसरे से दूर होने चाहिए। दरअसल, सांप्रदायिक और चरमपंथी विचारधाराओं का प्रभाव लोगों पर पड़ा। राजनीतिक वर्चस्व की लालसा और कुछ लोगों की स्वार्थपूर्ति के चलते हमने राष्ट्रीय एकता के सिद्धांतों का त्याग कर दिया। एग्रीकरण की सोच के चलते राष्ट्र का विभाजन हुआ। दरअसल, भागवत की टिप्पणी उन बयानों के जवाब में थी, जिसमें एसआईआर में अनियमितताओं के विरोध में उपजे आंदोलन को सत्ता परिवर्तन की लड़ाई बताया जा रहा था। संघ प्रमुख ने विकास से उन्नी चुनौतियों पर भी दृष्टिपात किया। उन्होंने कहा कि विकास मनुष्य के लिए प्रतिकूल परिणाम पैदा करने वाला नहीं होना चाहिए। उनका इशारा विकास और पर्यावरण असंतुलन के कारण नेपाल में आई भयावह जलप्रलय की ओर था। उन्होंने भारत, चीन व नेपाल में विस्तृत हिमालय पर अनियोजित व पर्यावरण विरोधी विकास के खतरों के प्रति चेताया। साथ ही कहा कि विकास की कीमत लोगों को जान देकर नहीं चुकानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान व तकनीक की प्राप्ति से किसी को परहेज नहीं होना चाहिए लेकिन यह विकास पर्यावरण और नैतिकता की अनदेखी न करे। साथ ही उन्होंने भारत की धार्मिक, भाषायी और खानपान की विविधता को अक्षुण्ण रखने पर भी बल दिया। दूसरी ओर आम नागरिकों की चिंता के साथ ही भागवत भी विदेशी शक्तियों द्वारा डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर संचालित सोशल मीडिया के खतरों के प्रति सचेत दिखे। उन्होंने माना कि ये लोगों को विवेक से हटाकर उनकी सोच को दुष्प्रभावित कर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेज विस्तार ने इस संकट की ओर बढ़ाया है। उनका मानना था कि नई तकनीक का स्वागत होना चाहिए लेकिन नैतिकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने सामाजिक विभाजन को बढ़ाने वाले इंटरनेट मीडिया को लेकर सचेत रहने की आवश्यकता पर बल दिया। ताकि वास्तविक चिंताओं पर भ्रामक विमर्श व तथ्यों के जरिये लोगों को न भड़काया जा सके। उन्होंने तमाम असहमतियों के बावजूद एकता-सामाजिक सद्भाव बनाये रखने पर जोर दिया।

असहमति की आवाज कानून-संविधान विरुद्ध नहीं

विश्वनाथ सचदेव

दर्शकों पुरानी बात है, जब मैंने पहली बार प्रदर्शनकारियों को यह नारा लगाते सुना था—सरकार बदलने वाला नारा। जिस जोश से यह नारा लगाया जा रहा था, उसे मेरे बाल मन ने कहीं गहरे तक छुआ होगा, तभी तो आज तक याद है। वह नारा था—‘रोटी-रोजी दे न सके जो, वह सरकार निकम्मी है। जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।’ नारा लगाने वालों के हाथों में ‘जनसंघ’ के झंडे थे। कल की वही जनसंघ पार्टी आज भारतीय जनता पार्टी कहलाती है। अब यह पार्टी सत्ता में है और अब इस पार्टी की सरकार बदलने के नारे लग रहे हैं। नारा लगाने वालों में प्रमुख वही कांग्रेस है, जिसकी सरकार को बदलने की बात दशकों पहले भाजपा की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ किया करती थी। और इसमें कहीं कुछ गलत भी नहीं है। हमारी व्यवस्था जनतांत्रिक है। जनतंत्र में विपक्ष का काम ही सरकार पर नज़र रखना और जरूरत पड़ने पर उसे बदलने की कोशिश करना है।

आज कांग्रेस पार्टी अन्य दलों के साथ मिलकर सत्ता बदलने की बात कर रही है। भाजपा ने चुनाव जीतकर यह सत्ता हासिल की थी। यह दूसरी बात है कि आज के विपक्ष का आरोप है कि भाजपा ने यह जीत वोट पाकर नहीं, बल्कि वोट चुराकर हासिल की है। इस ‘वोट हेराफेरी’ के खिलाफ देश में अलग-अलग तरीकों से प्रदर्शन हो रहे हैं। चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। जरूरी है कि इन आरोपों की जांच हो। दूध का दूध और पानी का पानी होना ही चाहिए। सत्ता में बैठी ताकतें यदि कुछ गलत कर रही हैं, तो उसे सही करने के लिए हर संभव कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यह सब जनतांत्रिक तरीके से ही होना चाहिए। पिछले आठ दशकों में हमने अपने देश में जनतांत्रिक व्यवस्था को पूरी शिद्दत के साथ सुदृढ़ बनाया है। हमारे यहां रज्यों और केंद्र में सरकारें बदली हैं। आज फिर यदि सरकार बदलने की बात की जा रही है, तो इसमें कहीं कुछ गलत नहीं है। जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता बदलने का एकमात्र उचित तरीका जनता का विश्वास प्राप्त करना है। अब तक जनता के वोट से ही सरकारें बनती और बदलती रही हैं और आगे भी जनता का विश्वास प्राप्त करना ही सरकार बनाने का वैध तरीका होगा। मतदाता के पास जाकर और उनका विश्वास जीतकर ही कोई चुनाव जीता जा सकता है।



‘नुनाव आयोग पर ‘अनियमितताओं’ का आरोप लगाकर विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहा है। आरोप यदि सही हैं, तो इस मांग में कहीं कुछ गलत नहीं है। लेकिन हमारी व्यवस्था के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त को निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के तहत ही पद से हटया जा सकता है। विपक्ष उनसे इस्तीफे की मांग भी कर सकता है। देश में जिस तरह अलग-अलग स्थानों पर चुनाव आयोग के खिलाफप्रदर्शन हो रहे हैं, उसे देखते हुए स्थिति सुधारने की दिशा में तत्काल कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। अब विपक्ष चुनाव आयुक्त का त्यागपत्र ही नहीं मांग रहा, बल्कि सरकार बदलने की बात भी हो रही है। अब एक बार फिर यह नारा जोर पकड़ रहा है कि ‘जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।’

यह बात फिर से रेखांकित किया जाना जरूरी है कि हमारे देश में सरकार मतदाता ही बदल सकता है। सत्तापक्ष अब ज़ोरों से यह बात कहने लगा है कि देश में चल रहे वर्तमान आंदोलन का उद्देश्य चुनाव आयुक्त को हटाना नहीं, बल्कि सरकार बदलना है। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अब यह आरोप लगाने में लगी है कि विपक्ष और देश-विरोधी ताकतें सत्ता प्राप्त करना चाहती हैं—और वह भी हमारे पड़ोसी नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों की तर्ज़ पर!

यदि आज कोई बांग्लादेश से प्रेरणा लेकर भारत में सत्ता-परिवर्तन की बात कर रहा है, तो यह उसका निजी विचार हो सकता है। उसे यह समझने की

आवश्यकता है कि जनतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करने वाले हमारे भारत में सत्ता-परिवर्तन वैध तरीके से ही हो सकता है और वह वैध तरीका वोट ही है। सत्तर के दशक में देश में ‘सिंहासन खाली करो कि जनता आती है’ का नारा लगा था। इस नारे में सिंहासन खाली करने की बात जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण यह बात भी है कि इसमें जनता के आने की दुहाई दी गई है। आज यदि कुछ तत्वों को यह लग रहा है कि वे वोट के अलावा किसी और तरीके से देश में सत्ता-परिवर्तन कर सकते हैं, तो यह उनकी खुशफहमी या नादानी ही हो सकती है।

पिछले आठ दशकों का हमारा अनुभव और इतिहास इस बात का साक्षी है कि हमारी जनतांत्रिक परंपराओं की जड़ें बहुत मजबूत और गहरी हैं। आजादी प्राप्त करने के बाद के पांच-छह दशकों तक देश में कांग्रेस पार्टी का शासन रहा। फिर जनता के वोट से ही इसे बदला जा सका। मतदाता ने अपने वोट की ताकत से इंदिरा गांधी की सरकार को हटाय़ा भी और फिर से स्थापित भी किया। अब भी, जब देश में कोई ऐसा परिवर्तन होगा, तो वोट की ताकत से ही होगा। भारत के नागरिकों को किसी बांग्लादेश या नेपाल से प्रेरणा लेने अथवा उनकी नकल करने की आवश्यकता नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष यह स्वीकार करे अथवा नहीं, लेकिन यह हकीकत है कि आज देश एक तनावपूर्ण स्थिति से गुज़र रहा है। उपचुनावों में सत्तापक्ष की जीत का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ ‘चांग’ है। जिस तरह देश भर में अलग-अलग तरीकों से जन-आक्रोश सामने आ रहा है, वह इस बात का

स्पष्ट संकेत है कि जनता में निराशा भी है और यह अहसास भी कि हमारे राजनीतिक दल देशहित से कहीं अधिक महत्व अपने स्वाथ्यों को दे रहे हैं।

बहरहाल, यहां इस बात को समझने की आवश्यकता है कि जनता की कूटुंब और हताशा को न तो नकारा जाना चाहिए और न ही उसे हल्के में लिया जाना चाहिए। यह जन-आक्रोश कुछ भड़कीले नारों और लोकलुभावन कार्रवाइयों से शांत नहीं होगा। साथ ही, सत्ता में बैठे लोगों को यह भी समझना होगा कि यदि आज देश के युवा और अन्य आंदोलनकारी तत्व सत्ता-परिवर्तन की बात कर रहे हैं, तो यह न तो संविधान-विरोधी है और न ही जनतांत्रिक परंपराओं एवं मूल्यों के विपरीत है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सत्तारूढ़ पक्ष की कमियों को उजागर करे, उसकी नीतियों की जांच-परख करे और देश के नागरिकों को वैकल्पिक सोच से परिचित कराए। आज देश में जिस तरह के आंदोलन चल रहे हैं, वे कुल मिलाकर संवैधानिक अधिकारों की मांग करते हैं। नारे लगाने वाले युवा और अन्य वर्ग व्यवस्था तथा सत्ता से जवाबदेही मांग रहे हैं। बदलाव का एक कारगर माध्यम ये आंदोलन भी हैं। जंतर-मंतर या अन्य स्थानों पर आंदोलन करने वाले लोग चुनावों में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं और नागरिक एवं वैधानिक अधिकारों की सुरक्षा चाहते हैं। आंदोलनकारियों का मानना है कि असहमति की आवाज़ उठाना और कानून के शासन की मांग करना उनका दायित्व भी है और अधिकार भी। आज यदि उन्हें ‘रिजीम चेंज’ की मांग करने के आधार पर देशद्रोही ठहराया जा रहा है, तो इसे जनता को बगलाने की एक कोशिश के रूप में ही देखा जाएगा। किसी भी सरकार को बदलने की मांग करना किसी भी दृष्टि से गलत नहीं है। हां, इस बदलाव का तरीका संवैधानिक और जनतांत्रिक ही हो सकता है। आज न तो भारत की स्थिति बांग्लादेश जैसी है और न ही ‘रिजीम चेंज’ जैसे शब्दों से किसी को डरने या डराने की आवश्यकता है। सरकारों का बनना और बदलना जनतंत्र की एक विशेषता है। यदि प्रतिपक्ष इस दिशा में प्रयास नहीं करता, तो यह उसके अपने कर्तव्य का पालन न करने के समान होगा। सत्तारूढ़ पक्ष को आईना दिखाना प्रतिपक्ष का काम है। जन-आंदोलन भी यही काम करते हैं, अथवा उन्हें यही काम करना चाहिए। सत्तारूढ़ पक्ष और प्रतिपक्ष, दोनों को इस तथ्य को समझना होगा।

– लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल

■ **अपना आशियाना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद है, राहत है, रोशनी और खुशी**

■ **ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असर**

डॉ. उषा किरण बड़ाईक
संयुक्त संचालक, जनसम्पर्क

प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल है। परिवर्तन की यह बयार ग्रामीण क्षेत्रों में आमूलचूल बदलाव लेकर आ रही है। इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में दूर दराज क्षेत्रों तक पक्के आवास दिखाई देने लगे हैं और व्यापक पैमाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का कारगर असर दिखाई दे रहा है। ऐसे परिवर्तन के बहुत मायने हैं। यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद है, राहत है, रोशनी और खुशी है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर जनमानस के जीवन स्तर का उन्नयन हुआ है और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी है।



राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के बेहतरीन क्रियान्वयन करने के लिए शिद्दत से कोशिश की गई है। जिंदगी भर अपने पक्के आवास का सपना देखने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवार थोड़ी-थोड़ी बचत करते हैं लेकिन फिर भी अपना पक्का घर बनाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। ऐसे में जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का संचाल मिलता तो उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने का हौसला मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की लोकहितैषी योजनाओं से जनसामान्य को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। पक्का आवास मिलने पर जनसामान्य को सुरक्षित,

सुविधाजनक एवं सम्मानजनक जीवन जीने का आधार मिला है।

प्रथम कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 18 लाख 12 हजार जरूरतमंद परिवारों को पीएम आवास देने की निर्णय लिया गया। अब तक 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत हुए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 78 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। आत्मसम्पत्ति नक्सल और नक्सल पीड़ितों के लिए विशेष परियोजना से 15000 आवासों की स्वीकृति केंद्र शासन से मिली। जिनमें से राज्य में 5600 आवास स्वीकृत हुए। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 47

हजार हितग्राहियों के लिए आवास स्वीकृत किए गए थे। नवीन सरकार गठन के बाद इस श्रेणी के 39000 आवास स्वीकृत किए गये। जिसमें 24000 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वर्ष 2024 का नया सर्वे वर्ष 2024 में आवास प्लस 2.0 का नया सर्वे किया गया। 11 सितंबर 2026 को भारत सरकार से छत्तीसगढ़ को करीब 3.65 लाख नए आवासों का लक्ष्य मिला है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी)

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत 2 लाख 43 हजार स्वीकृत आवासों में से 2 लाख 22 हजार आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से पूर्ण आवासों में बीएलसी घटक के 1,93,175 आवास एवं पूर्ण आवासों की एएचपी घटक के 29,267 आवास हैं। बीएलसी घटक के अंतर्गत 75,709 आवास पूर्ण किए गए। वहीं एएचपी घटक के 13,082 आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से एएचपी घटक में 14,687 हितग्राहियों को आवास आर्बटित किया गया है। एएचपी घटक में 12,530 हितग्राहियों का पूर्ण आवासों में व्यवस्थापन किया गया है। आवास निर्माण हेतु नगरीय निकायों को 909 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) के तहत देश भर में 1.32 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

पीएम आवास योजना शहरी 2.0

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत सभी शहरों में डोर-टू-डोर सर्वे अभियान निरंतर जारी है। इसके लिए तकनीकी आधारित सर्वे और तेज़ स्वीकृति प्रक्रिया के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। 'प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0' अंतर्गत 71,416 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 4,129 आवास पूर्ण हुए हैं, वहीं 25,165 आवास निर्माणधीन हैं। इसके लिए नगरी निकायों को 533.93 करोड़ की राशि जारी की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में जनसामान्य वर्षों से कच्चे और जर्जर मकानों में जीवन व्यतीत करते रहे हैं। बारिश के दिनों में विभिन्न तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। टपकती छत, दीवारों में सीलन, गर्मी और ठंड से बचाव की कठिनाइयां तथा असुरक्षित आवास जैसी समस्याएं रही हैं। ऐसे परिवारों के लिए पक्का मकान केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जीवन में स्थायी बदलाव का माध्यम है। बुनियादी सुविधाएं सामाजिक आर्थिक परिवर्तन लेकर आ रही हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत जनसामान्य को स्वच्छ पेयजल, राशन, गैस चूल्हा व सिलेंडर, जलजली, शौचालय, जैसी अन्य सुविधाएं मिलने पर आवास की महत्ता एवं उपयोगिता बढ़ जाती है।

भोर में अनायास ही नहीं गाते पछिंदे

दुनियाभर के साहित्यकारों ने अपनी-अपनी रचनाओं में भोर में पक्षियों के कलरव का अपने-अपने तरीके से सजीव वर्णन किया है। गाने वाले पक्षियों से जुड़ा एक दिलचस्प अध्ययन जून 2025 में कॉर्नेल लैब ऑफ़ ऑर्निथोलॉजी और भारत के प्रोजेक्ट ध्वनि ने मिलकर किया था। वैज्ञानिकों ने जब वर्षावनों की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की, तो पाया कि पक्षी सुबह इसलिए गाते हैं, क्योंकि उस वक्त रोशनी कम होती है और शिकार ढूँढना मुश्किल होता है। इसलिए, वे उस खाली समय का उपयोग अपनी सीमाओं को तय करने और साथी को आकर्षित करने के लिए गाना गाकर करते हैं।

अध्ययन बताता है कि जिन पक्षियों की आंखें उनके शरीर के अनुपात में बड़ी होती हैं (जैसे रॉबिन या श्रश), वे सुबह के बहुत कम उजाले में भी कीट-पतंगों को देख सकते हैं। इसलिए, वे सबसे पहले उठकर गाना शुरू करते हैं। छोटी आंखों वाले पक्षी (जैसे गौरैया या कबूतर) रोशनी बढ़ने के बाद अपनी तान छोड़ते हैं। सूरज की रोशनी के साथ-साथ सुबह का यह सगी तरीका भी एक लहर की तरह पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, जब भारत के अरुणाचल प्रदेश में पक्षी गाना शुरू करते हैं, तो उसके लगभग दो घंटे बाद गुजरात के पक्षी उसी सुर में गा रहे होते हैं।

इस अध्ययन को मशहूर विज्ञान पत्रिका प्लॉसिफ़िकल ट्रॉन्सैक्शंस ऑफ़ द रॉयल सोसाइटी बी में प्रकाशित किया गया। शोधकर्ताओं ने भारत के पश्चिमी घाट पर उपकरण लगाकर 69 पक्षी



प्रजातियों की आवाजों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि भोर के समय एशियाई कोयल उन शुरुआती पक्षियों से से एक है, जो सूरज उगने से काफी पहले ही गाना शुरू कर देती है। हैबिटेट इकोलॉजी ऑफ़एशियन कोएल रिपोर्ट में यह भी जिक्र है कि शहरों में कौओं की आबादी के कारण कोयल ने भी इतनी बस्तियां और शहरी पेड़ों (जैसे नीम, पीपल) के आसपास अपनी मौजूदगी और गायन को बहुत तेजी से ढाल लिया है।

इस अध्ययन में जो डाटा और पैसिव एकाॅस्टिक मॉनिटरिंग तकनीक इस्तेमाल की गई थी, उसे विस्तार देते हुए शोधकर्ताओं ने भारत की पहली ओपन-एक्सेस क्राउडसोर्सड ध्वनि लाइब्रेरी तैयार की है। इसमें 25 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों से रिकॉर्ड की गई 518 प्रजातियों की करीब 5,815 मिन्ट की आवाजें शामिल हैं। इस अध्ययन और उसके बाद जुटाए गए डाटा का इस्तेमाल अब पत्रिका प्लॉसिफ़िकल ट्रॉन्सैक्शंस ऑफ़ द रॉयल सोसाइटी बी में प्रकाशित किया गया। शोधकर्ताओं ने भारत के पश्चिमी घाट पर उपकरण लगाकर 69 पक्षी

वार पर वार दरकती भरोसे की दीवार

केवल तिवारी

कदम-कदम पर टूटते भरोसे के इस दौर में जाने-माने कथाकार सुदर्शन की एक कहानी ‘हार की जीत’ याद आती है। कहानी का सार इस तरह से है—डाकू खड़क सिंह को बाबा भारती का घोड़ा (सुल्तान) बहुत भा जाता है। पहले वह घोड़ा उसे दे देने की विनती करता है। फिर धमकी देता है। जब किसी तरह से बाबा भारती नहीं मानते तो बीमार अपाहिज भेष रखकर मदद मांगता है और बाबा भारती के घोड़े को लेकर भाग जाता है। बाबा भारती उसे रोकते हैं और कहते हैं कि बेशक घोड़ा ले जा, लेकिन घोखा देने की इस कहानी की किसी को बताना मत, नहीं तो कोई किसी पर भरोसा नहीं करेगा। इस कहानी के नायक को दुख इस बात का है कि भरोसा टूटगा तो अनर्थ हो जाएगा।

कहानी के अंत में डाकू उस घोड़े को चुपचाप बाबा भारती के अस्तबल में बांध आता है, यानी उस पर बाबा की सीख का असर पड़ जाता है, लेकिन आज के दौर में एक के बाद एक भरोसा तोड़ने की खबरें सुर्खियां बना रही हैं। ‘हार की जीत’ कहानी एक सीख देती थी, लेकिन अब तो आये दिन भरोसा टूटने की खबरें आती हैं। किसी सीख का असर नहीं, धोखेबाज लोगों पर कानून का भी खौफ नहीं। असल में आज के ई-युग में हमारा दायरा जितना बढ़ा होता जा रहा है, भरोसे की दीवार में उतने ही छेद बढ़ते जा रहे हैं। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर ‘दावों’ के साथ अनेक बेबुनियाद चीजें परोसी जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर कहां और किस स्तर पर किसी के साथ कितना बढ़ा धोखा हो जाये कहा नहीं जा सकता। उधर, साइबर ठग हैं जो हर समय इसी पर यंथन



करते रहते हैं कि अब कौन-सा जाल बिछाया जाये, इधर, ऐसे भी मामले सामने आए हैं कि जिन पर विश्वास का एक लेबल चस्पा था, वे ही अविश्वास का जाल बुनते रहे। हरियाणा के आईडीएससी, एयू बैंक प्रिंड मामला हो या फिर चंडीगढ़ में सरकारी पैसे का इधर से उधर होना, आखिर क्या है? भरोसे का खून ही तो है। जांच चल रही है, कई अधिकारी निर्लांबित किए जा चुके हैं, लेकिन भरोसा तो तोड़ा ही गया। शुरुआती जांच में यही सामने आ रहा है कि मौज-मस्ती के लिए सारे नियम-कानून और अपने ओहदे तक को ताक पर रख दिया गया। यह तो एक बानगीभर है। आयेदिन ऐसी खबरें आती हैं कि जिन पर भरोसा था, उन्होंने ही इसे तोड़ा। कुछ दिन पूर्व एक खबर आई कि डाक विभाग की एक महिला कर्मचारी ने लोगों के बचत के पैसों में ही गोलेमाल कर दिया। जब जांच हुई तो उस अधिकारी को निकाल दिया गया।

भरोसे की दीवार पर चारों ओर से चोट हो रही है। अनेक जगह डॉक्टरों पर आरोप लगते हैं कि उन्होंने मिलीभगत से किसी के इलाज में उन दवाओं और उपकरणों के प्रयोग को भी शामिल किया जिनकी वहां जरूरत ही नहीं थी। सवाल यही कि ‘किस पर करें यकीन।’ सोशल मीडिया मंचों पर ‘लाइव्स’ और ‘व्यूज’ के चक्कर में कोई आयुर्वेद का जनाकार बना फिर रहा है तो कोई चुटकियों में बीमारी को खत्म करने का दावा कर रहा है। इसे इस तरीके से परोसा जा रहा है कि अच्छ-खासा समझदार भी उनके झांसे में आ जाये। पिछले दिनों पंजाब के अमृतसर, बिहार-झारखंड के कुछ इलाकों और उत्तराखंड से खबरें आई कि कुछ लोग एंजुलेंस के जरिये नशे का काला कारोबार कर रहे थे। एक एंजुलेंस में तो एक महिला को फर्जी बीमार बनाकर लिटाया गया था। शिक के आधार पर एंजुलेंस को रोकना जो पूरा खुलासा हुआ।

नशे के इस काले धंधे का और भी दुखद पहलू यह भी है कि अक्सर इसमें उनकी संलिप्तता सामने आती है जिन पर इस बात की जिम्मेदारी है कि नशा अपने पांव न पसार सके। पिछले दिनों पंजाब में एक पुलिसकर्मी करोड़ों की हेरोइन के साथ पकड़ा गया। कैसी विडंबना है कि वह कर्मी एंटी ड्रोन स्कॉड में तैनात था। यानी जिसका काम नशे के सौदागरों की धरपकड़ था, वह उनका मददगार बना हुआ था। उसी तरह मानस में मेंडकल स्टोर में नशा बिकने की बात सामने आई। हर जगह भरोसे का खून। इस खेल में कभी वर्दी का दुरुपयोग और कभी रूतबे का। युवा पीढ़ी का नाश हो रहा है और सियासत के गलियारों में सिर्फ कीचड़ उछलता दिखता है।

वैसे, चारों तरफअविश्वास और धोखे के आज के माहौल में भी तस्वीर बिल्कुल स्याह नहीं है। अनेक डॉक्टर हैं जो अस्पतालों में अपनी ड्यूटी से ज्यादा समय लगा रहे हैं। अनेक अधिकारी हैं जो निःशुल्क सेवा भी कर रहे हैं। अनेक समाज सुधारक हैं जो समाज के लिए काम कर रहे हैं। जरूरत है इस बात की कि आज का मीडिया भी धोखे, अविश्वास की खबरों का महिमामंडन करने के बजाय प्रेरक कहानियों को ज्यादा स्थान दे। साथ ही जरूरत है इस बात की कि हर जिम्मेदार नागरिक अपना कर्तव्य सही से निभाये। यह कर्तव्य निर्वहन अपनी नौकरी, घर-परिवार और समाज से शुरू होनी चाहिए। भरोसा तो कायम करना होगा। विश्वास बहाली तो बेहद जरूरी है। उसी शेर की तरह जिसमें कहा गया है, ‘हर-चंद एतबार में धोखे भी हैं मगर, ये तो नहीं किसी पे भरोसा किया न जाए।’ हम सबको भरोसा बहाली में अपने-अपने स्तर पर प्रयास करने चाहिए।



अल्लू अर्जुन की ‘राका’ की शूटिंग साल के अंत तक पूरी होने की उम्मीद

दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में आएंगी नजर

दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित अभिनेता अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म ‘राका’ को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। निर्देशक एटली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि फिल्म के पहले हिस्से की शूटिंग इस साल के अंत तक पूरी हो सकती है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इस समयसीमा की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। इसके प्रचार से जुड़ी झलकियों ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और निर्माताओं ने इसे दो हिस्सों में प्रदर्शित करने की योजना बनाई है। फिल्म की प्रस्तुति को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, ‘राका’ के पहले हिस्से की शूटिंग पूरी होने के बाद अल्लू अर्जुन इसी साल निर्देशक

लोकेश कनगराज के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर सकते हैं। हालांकि, इस परियोजना की शूटिंग शुरू होने की तारीख को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। ‘राका’ में दीपिका पादुकोण मुख्य महिला भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा मृणाल ठाकुर, रश्मिका मंदाना और जाह्नवी कपूर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है, जबकि संगीत की जिम्मेदारी साईं अश्वंकर संभाल रहे हैं।

फिल्म की कहानी कई समयखंडों में आगे बढ़ने की बात कही जा रही है। इसमें अल्लू अर्जुन अलग-अलग रूपों और विविध व्यक्तियों वाले किरदारों में नजर आ सकते हैं। इसी वजह से फिल्म को लेकर प्रशंसकों के बीच खासा उत्साह है।

फिलहाल फिल्म की शूटिंग पूरी होने और प्रदर्शन की तारीख को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। अब देखना होगा कि एटली और अल्लू अर्जुन की यह बड़ी परियोजना दर्शकों के सामने किस रूप में आती है।

16 साल में 31 फिल्में, मात्र 6 हिट

क्या अगली फिल्म से उबरेगा सोनाक्षी का करियर?

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही आने वाली फिल्म 'तू है मेरी किरण' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके साथ उनके पति जहीर इकबाल नजर आएंगे। इस फिल्म से पहले जानिए शुरुआती दिनों में बड़ी फिल्में देने के बाद कैसे सोनाक्षी के करियर में बड़ा डाउनफॉल आया।

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर भी सामने आ गया है। बीते दिनों में सोनाक्षी की कई फिल्में आईं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं कर पाई हैं।

सलमान के साथ किया ड्रीम डेब्यू

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा अबतक 31 फिल्में कर चुकी हैं, जिनमें से कुछ हिट रहीं, तो वहीं ज्यादा फिल्म फ्लॉप साबित हुईं। सोनाक्षी ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'दबंग' (10 सितंबर 2010) के साथ की थी। इसमें उनके साथ सलमान खान नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी और इसने 138.88 करोड़ का कलेक्शन किया था।

साल 2012 सोनाक्षी के लिए काफी खास रहा। इस साल अपनी झोली में चार सुपरहिट फिल्में डालकर वह भारत की

लीड एक्ट्रेसेज में शामिल हो गईं। लेकिन करियर के शुरुआती वर्षों में मिली ये शोहरत ज्यादा समय तक नहीं रह सकी।

वहीं उनके करियर का ग्राफ 2013 के बाद से ऐसा गिरा की उठ ही नहीं पाया। 2013 के बाद सोनाक्षी ने करीब 20 फिल्में की, जिनमें से एक-दो को छोड़कर सभी फ्लॉप साबित हुईं। 2012 के बाद सोनाक्षी ने खुद सिंगल लीड के तौर पर भी कुछ फिल्में की, जैसे- 'अक्रोश', 'निकिता राय', लेकिन वो भी नहीं चल पाईं।

शादी की वजह से हुई ट्रेल

सोनाक्षी और जहीर इकबाल ने 7 साल के रिश्ते के बाद 23 जून 2024 को सिविल मैरिज कर ली थी। इसके बाद दोनों ने मुंबई में शानदार रिसेप्शन दिया था। हालांकि शादी के कुछ समय बाद तक एक्ट्रेस को दूसरे धर्म में शादी करने के चलते ट्रेलिंग का सामना करना पड़ा था। लेकिन कपल ने इन ट्रेलिंग्स पर ध्यान नहीं दिया।

अब पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म के साथ एक बार फिर सिनेमाघरों में लौट रही हैं। फिल्म का लेखन और निर्देशन करण रावल ने किया है। इसमें जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण सर्वेश गोयल, अश्वनी कुमार, मनोज दराक और नृपाल पटेल ने मिलकर किया है। 'तू है मेरी किरण' 23 अक्टूबर 2026 को रिलीज होने वाली है।

जय हिंद : रिलीज हुआ ‘मातृभूमि’ का नया गाना, जोशीले अंदाज में दिखे सलमान खान

सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच इस फिल्म का नया गाना 'जय हिंद' रिलीज हुआ है। समीर अंजान की कलम से निकले इस गाने को स्टेबिन बेन ने अपनी सुरीली आवाज दी है। हिमेश रेशमिया ने अपने म्यूजिक से इसे सजाया है।

सलमान ने शेयर किया वीडियो

इंस्टाग्राम पर इस गाने को शेयर करते हुए सलमान खान ने लिखा 'अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम, सम्मान और देशभक्ति दिखाने के लिए 365 दिनों में से केवल 2 दिन काफी नहीं हैं। साल भर होना मंगता है दोस्त। ये रहा आपके लिए जय हिंद का लिरिकल कट।

उम्मीद है आपको पसंद आएगा। अगर नहीं, तो हिमेश और स्टेबिन का इस्टा या एक्स हैंडल तो होगा ही, है ना?' गाने में सलमान खान नजर आ रहे हैं। वह काफी जोशीले अंदाज में हैं। वह भारतीय जवान

की वर्दी में हैं। गाने के विजुअल देशभक्ति का जोश जागते हैं। गाने के बोल और संगीत भी दिल को छूने वाला है।

फिल्म 'मातृभूमि' के बारे में जानकारी

सलमान खान अभिनीत इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इसे सलमान खान फिल्मस् के बैनर तले सलमा खान ने प्रोड्यूस किया है। इसमें चित्रांगदा सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई है। बता दें कि पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवा' था, जिसे इस साल की शुरुआत में बदलकर 'मातृभूमि' कर दिया गया।

क्या प्यार को दूसरा मौका देंगी माही विज?

काजी तौकीर के सवाल पर शरमाते हुए दिया ऐसा जवाब

‘बिग बॉस’ में लगभग हर सीजन में प्रतिभागी एक दूसरे के साथ रहते हुए अपने सुख-दुख साझा कर लेते हैं। ऐसे ही शो के वीसवें सीजन में भी हो रहा है। हालिया एपिसोड में माही विज से उनकी रोमांटिक लाइफ को लेकर कुछ सवाल पूछे गए। इनके जवाब भी एक्ट्रेस ने दिये।

क्या था काजी का माही से सवाल?

‘बिग बॉस 20’ के एपिसोड में माही विज, काजी तौकीर और उदिति सिंह साथ बैठे हुए थे। इसी बीच काजी ने माही से पूछा कि क्या कोई उन्हें प्रपोज कर सकता है?, इसके जवाब में माही ने कहा 'नहीं, कोई मुझसे संपर्क नहीं कर सकता। मैं सबके लिए उपलब्ध नहीं हूँ।' यह सुनने के बाद काजी माही से मजाक करने लगे। उन्होंने कहा कि वह सबकुछ थोड़ा डिटेल में बतायें। इसके बाद माही कुछ सोचने लगीं।

क्या माही ने किसी को चुना?

आगे अपनी बातचीत में काजी ने कहा, 'मतलब आपने 3-4 लोगों को चुन रखा है, जो आपको प्रपोज कर सकते हैं।' यह सुनकर भी माही ने किसी में भी दिलचस्पी होने की बात पर हामी नहीं की। बातचीत के समय उनके आस-पास मौजूद उदिति ने कहा कि शायद उनका 'खास इंसान' भी यह शो देख रहा होगा। सबकी बातें सुनने के बाद भी माही ने अपनी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

14 साल का रिश्ता टूटा

अभिनेत्री माही विज और जय भानुशाली ने 2010 में शादी की थी।

इस कपल के तीन बच्चे हैं। पहली बेटी तारा (2019) और दूसरे फोस्टर किड्स राजवीर और खुशी (2017)

जनवरी, 2026 में कपल ने तलाक ले लिया।

हालांकि दोनों ने ही इस तलाक की वजह फैंस को कभी नहीं बताई।

सिर की मालिश से मिल सकते हैं ये फायदे, जरूर बनाएं इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा

तनाव कम करने में है सहायक

सिर की मालिश तनाव कम करने में बहुत असरदार है। जब आप अपने सिर की मालिश करते हैं तो आपके दिमाग के तनाव सेंसर सक्रिय होते हैं, जिससे तनाव का स्तर कम होता है।

यह प्रक्रिया दिमाग में खुशी देने वाले रसायन का उत्पादन बढ़ाती है, जो आपको खुश और शांत महसूस कराती है।

इसके अलावा यह तकनीक मानसिक स्पष्टता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को भी बढ़ाती है।

नींद में सुधार लाती है

अगर आपको नींद आने में कठिनाई होती है तो सिर की मालिश एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। मालिश से सिर की नसें और खून की नलियां खुलती हैं, जिससे आपका दिमाग शांत होता है और नींद अच्छी आती है।

मालिश के दौरान सिर की कुछ खास बिंदुओं पर दबाव डालने से आपको गहरी नींद मिलती है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं। नियमित रूप से सिर की मालिश करने से नींद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

बालों की जड़ों को मजबूत करती है

सिर की मालिश बालों की जड़ों को मजबूत करने में मदद करती है। इससे खून का बहाव बेहतर होता है, जिससे बालों के पोषक तत्व अच्छे से मिलते हैं और वे स्वस्थ रहते हैं।

मालिश के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले तेल जैसे कि नारियल या बादाम का तेल बालों की जड़ों को पोषण देते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं।

इसके अलावा मालिश से बालों की चमक भी बढ़ती है और वे टूटने से बचते हैं।

सिरदर्द दूर करती है

अगर आपको अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है तो सिर की मालिश एक असरदार उपाय हो सकता है। मालिश से

सिर की मालिश एक पुरानी और असरदार तकनीक है, जो न केवल सिर को आराम देती है, बल्कि पूरे शरीर और मन को भी शांत करती है। यह तकनीक तनाव को कम करने, बालों की जड़ों को मजबूत करने और नींद को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसके अलावा यह खून के बहाव को बढ़ाती है और सिरदर्द को दूर करती है। आइए जानते हैं कि सिर की मालिश कैसे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर डालती है।

दर्द कम होता है और आपको आराम मिलता है।

मालिश के दौरान सिर की नसें और खून की नलियां खुलती हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है। इसके अलावा मालिश से तनाव कम होता है, जो सिरदर्द का एक बड़ा कारण हो सकता है। नियमित रूप से सिर की मालिश करने से सिरदर्द की समस्या में भी सुधार होता है।

रक्त संचार बढ़ाती है

सिर की मालिश खून के बहाव को बढ़ाने में मदद करती है, जिससे पूरे शरीर की पोषक तत्व मिलते हैं। इससे न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी अच्छा असर पड़ता है।

कुल मिलाकर सिर की मालिश एक सरल और असरदार तकनीक है, जो हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप कई लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

खास-खबर



रबी के लिए क्यूआर कोड और टोकन प्रणाली से मिलेगी रासायनिक खाद

मुंगेली। रबी वर्ष 2026-27 से जिले में रासायनिक उर्वरकों के वितरण की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल ऐप आधारित क्यूआर कोड एवं टोकन प्रणाली लागू की जा रही है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को उनकी भूमि के रकबे और बोई गई फसल की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध कराना है। डिजिटल प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण प्रक्रिया को व्यवस्थित करने, किसानों को उर्वरक प्रदान करने तथा एफएफएस प्रणाली के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें जिले के उर्वरक विक्रेताओं, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों, कृषि विकास अधिकारियों तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को ऐप के संचालन और क्यूआर कोड-टोकन आधारित उर्वरक वितरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य संबंधित अधिकारियों और विक्रेताओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना है, ताकि रबी सीजन में नई व्यवस्था का सुचारु रूप से संचालन किया जा सके। उपसंचालक कृषि श्रीमती वीणा ठाकुर ने एफएफएस प्रणाली के संबंध में चौपालों के माध्यम से किसानों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया। जिला मास्टर ट्रेनर मनहरण कुर्ने ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि एफएफएस ऐप के माध्यम से उर्वरक प्राप्त करने की प्रक्रिया में किसान की भूमि एवं फसल संबंधी जानकारी दर्ज करना, आवश्यक उर्वरक की मात्रा का चयन करना, उर्वरक विक्रेता का चयन करना तथा कोड-टोकन जनरेट करना प्रमुख चरण हैं।

बस्तर ओलंपिक 2026 : 11 खेलों में बस्तर के सितारे दिखाएंगे दम-खम, चमकेगा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकम। छत्तीसगढ़ शासन के बहुप्रतीक्षित बस्तर ओलंपिक 2026 का आगाज होने जा रहा है। हमारा खेल, हमारा बस्तर, हमारी पहचान की थीम पर आयोजित इस खेल महोत्सव में बस्तर की खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता और हुनर दिखाने का बड़ा मंच मिलेगा। 1 से 30 अक्टूबर तक पंजीयन की प्रक्रिया जारी रहेगी। खास बात यह

है कि सुकमा जिले में खेलों को लेकर युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और अब तक 36,224 खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन करा लिया है।

सुकमा जिले के विकासखंडवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सुकमा विकासखंड 14489 पंजीयनों के साथ सबसे आगे है। वहीं कोंटा से 10190 और छिन्दगढ़ विकासखंड में 11,545 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। यह



उत्साह बस्तर ओलंपिक के व्यापक प्रभाव और सफल आयोजन की उम्मीदों को और मजबूत कर रहा है।

11 खेलों में होगा प्रतिभा का प्रदर्शन। एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, कराते, कबड्डी, वॉलीबॉल और खो-खो सहित कुल 11 खेल विधाओं में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में 14 से 17 वर्ष के जूनियर वर्ग के साथ सीनियर महिला एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ी भी

हिस्सा लेंगे। मुकाबलों का पहला चरण 1 से 13 नवंबर तक विकासखंड स्तर पर, दूसरा चरण 16 से 25 नवंबर तक जिला स्तर पर और अंतिम चरण 7 से 11 दिसंबर तक संभाग स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

जिला प्रशासन के द्वारा मोबाइल लिंक अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जबकि आधार कार्ड नंबर अनिवार्य रखा गया है।

रावघाट तक पहुंची ट्रेन तो खिले स्थानीय लोगों के चेहरे

पहली रेल यात्रा का रोमांच, स्वास्थ्य-शिक्षा और रोजगार के नए अवसरों की बनी उम्मीद

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। रावघाट तक रेल सेवा शुरू होना बस्तर अंचल के ग्रामीणों के लिए केवल आवागमन का नया साधन नहीं, बल्कि वर्षों से देखे जा रहे सपनों के साकार होने जैसा है। दुर्गम और पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे इस क्षेत्र में रेल पहुंचने से अब ग्रामीणों को कम खर्च में यात्रा करने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के नए अवसरों तक पहुंचने की उम्मीद जगी है।

कल तक जिन लोगों के लिए ट्रेन को नजदीक से देखना भी उत्सुकता का विषय था, आज वे उसी ट्रेन में सफर कर रहे हैं। अबुझमाड़ क्षेत्र के रावघाट तक ट्रेन पहुंचना बस्तर अंचल में विकास, संपर्क और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विकासखंड अंतागढ़ के ग्राम फूलपाड़ निवासी प्रेमबती गावड़े, बज्जय कौड़ो और सईते नुरेटी ने पहली बार ट्रेन में सफर किया। डेमो टिकट लेकर अंतागढ़ तक की यात्रा करने वाली तीनों सहेलियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ट्रेन में सफर करना उन्हें बहुत अच्छा लगा।

इसी तरह समीना कावड़े ने भी पहली बार रेल यात्रा की और इस नए अनुभव को लेकर खुशी जाहिर की। इन महिलाओं के लिए यह यात्रा एक यादगार



अनुभूति भी रही।

रावघाट से लगे ग्राम आतुरबेड़ा निवासी सोनू उसेंडी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, हम रावघाट से लगे हुए गांव के रहने वाले हैं। हमारे लिए ट्रेन में बैठना किसी सपने के सच होने जैसा है। हमारे गांव के कई लोगों ने पहले

कभी ट्रेन को करीब से नहीं देखा था, लेकिन आज वे इसमें सफर कर पा रहे हैं। हम सभी ग्रामीण बस में बैठकर ट्रेन

देखने आए थे और अब हमें इसमें यात्रा करने का अवसर भी मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि रेल सेवा शुरू होने से अब ग्रामीणों को इलाज के लिए दूसरे शहरों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। कम खर्च में यात्रा कर सकेंगे। उन्होंने इस सुविधा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया।

छात्राओं को मिलेगी बड़े शहरों तक पहुंचने की नई राह

रेल सेवा शुरू होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों में भी उत्साह है। ग्राम ताड़ोकी निवासी कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी गायत्री नुरेटी और नारायणपुर निवासी कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी मोनाक्षी उसेंडी ने भी पहली बार ट्रेन में सफर किया। दोनों छात्राओं ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें अपने क्षेत्र से बड़े शहरों तक जाने का बेहतर अवसर मिलेगा। इससे आगे की पढ़ाई के लिए नए विकल्प तलाशने और भविष्य में बेहतर शैक्षणिक अवसरों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। रेल सेवा से अब दूरियां कम होने के साथ ही विद्यार्थियों के सपनों को भी नई उड़ान मिलने की उम्मीद है।

सोशल मीडिया क्रिएटर भी पहुंचे रेल यात्रा का अनुभव लेने

अंदरूनी क्षेत्र ग्राम भैंसगांव निवासी रूपेश सलाम सोशल मीडिया पर कॉमेडी कंटेंट बनाते हैं। उन्हें जब रावघाट से रेल सेवा शुरू होने की जानकारी मिली, तो वे अपने दोस्तों के साथ यहां पहुंचे और ट्रेन में सफर किया। उनके लिए यह एक नया और यादगार अनुभव रहा। रूपेश और उनके दोस्तों ने भी इस अवसर का लाभ उठाते हुए रेल यात्रा की और इस खास पल को यादगार बनाया।

छत्तीसगढ़ में शांति और सुरक्षा के लिए जवानों का बलिदान अविस्मरणीय : वन मंत्री कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शांति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिस के वीर जवानों का अविस्मरणीय योगदान रहा है। विषम परिस्थितियों में कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले जवानों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी।

वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता, संसदीय कार्य मंत्री कश्यप ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर जगदलपुर स्थित अमर शहीद वाटिका में शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके प्रति सम्मान एवं संवेदना व्यक्त की। श्री कश्यप ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने, नागरिकों



की सुरक्षा और समाज में शांति स्थापित करने के लिए पुलिस के जवान कठिन परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। राष्ट्र और समाज की रक्षा के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

वन मंत्री ने कहा कि किसी परिवार के लिए अपने प्रियजन को खोने की पीड़ा अपूरणीय होती है। शहीद जवानों के परिजनों का धैर्य और साहस भी प्रेरणादायी है। शहीदों की स्मृतियों को संजोना

और उनके परिवारों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शहीद जवानों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उनके आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करना है।

इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर नगर पालिक निगम के महापौर संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

जशपुर के बहु-उद्देश्यीय इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम में शतरंज, कैरम और टेटे की भी सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विष्णु देव साय सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। श्री साय के गृह जिला जशपुर में 3 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा के रूप में विकसित हुआ है।

जशपुर में निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम में खिलाड़ियों को बास्केटबॉल के साथ शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस जैसे खेलों के अभ्यास की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे विभिन्न खेल विधाओं में रुचि रखने वाले बच्चों और युवाओं को अपनी पसंद के खेल में नियमित अभ्यास करने और कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा।

इनडोर स्टेडियम की सुविधा से खिलाड़ियों को प्रतिकूल मौसम



में भी अभ्यास जारी रखने में सहाय्यत होगी।

जशपुर जिले में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यहां के बच्चे और युवा क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, बास्केटबॉल और टेबल टेनिस सहित विभिन्न खेलों में रुचि रखते हैं। इन प्रतिभाओं को बेहतर खेल अधोसंरचना और नियमित अभ्यास के अवसर उपलब्ध कराना उनके खेल कौशल को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जशपुर में 3.52 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे जिले में खेलों के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ने के साथ नियमित अभ्यास की संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा। आधुनिक खेल सुविधाओं की उपलब्धता से आने वाले समय में जशपुर के खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकेंगे।

45वां इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर, 14 नवंबर से सजेगा छत्तीसगढ़ का पवेलियन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नई दिल्ली के प्रगत मैदान स्थित भारत मंडपम में आगामी 14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले 45 वें 'भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले' में छत्तीसगढ़ की भागीदारी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य सचिव ने व्यापार मेले के दौरान छत्तीसगढ़ पवेलियन के निर्माण, सुरक्षा, ब्रांडिंग और अन्य व्यवस्थाओं को समय-समय के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस वर्ष इस प्रतिष्ठित मेले की थीम 'विकास और विरासत' के



रखी गई है, जो देश की आधुनिक प्रगति और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के सुंदर तालमेल को प्रदर्शित करती है।

हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को मंच मुख्य सचिव ने कहा कि यह व्यापार मेला छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्पियों, स्व-सहायता समूहों और उद्यमियों के

लिए अपनी कला और उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का एक बड़ा मंच है। मुख्य सचिव ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन में कृषि, मिलेट और वनोपज का प्रदर्शन कृषि एवं किसान कल्याण तथा उद्यानिकी विभाग को छत्तीसगढ़ के प्रमुख मिलेट

उत्पादों-कोदों, कुटकी, रागी और अन्य विशिष्ट उत्पादों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को लघु वनोपज संघ के माध्यम से छत्तीसगढ़ हर्बल उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय की पुख्ता व्यवस्था करने को कहा गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग (जो इस पवेलियन का नोडल विभाग है) को 'नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-2030' एवं विभिन्न निवेश योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, पर्यटन विभाग को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी और संस्कृति विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं ग्रहल उपलब्ध यहां उचित व्याज दर पर धीरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai

PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फ़रार आरोपी को मुलमुला पुलिस ने साइबर थाना जांजगीर की मदद से गिरफ्तार किया है। आरोपी को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के थाना सलिहा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम थारगांव से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थीया की रिपोर्ट पर थाना मुलमुला में अपराध क्रमांक 425/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4(1), 6 के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। आरोप है कि 8 मार्च 2026 को आरोपी नंदलाल साहू (24 वर्ष), निवासी ग्राम रानीगढ़, थाना बिलाईगढ़, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ ने सूनेपन का फ़यदा उठाकर नाबालिग के साथ जबरदस्ती अनाचार किया था। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फ़रार था। पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। साइबर थाना जांजगीर से मिली सहायता के आधार पर 21 अक्टूबर को उसे ग्राम थारगांव से गिरफ्तार कर लिया गया।

ट्रेक्टर-ट्रॉली से टकराया बाइक सवार युवक, मौके पर मौत

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के कुरूद बायपास मार्ग पर सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। उसकी मोटरसाइकिल सड़क पार कर रही ट्रेक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसा इतना गंभीर था कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान बिरझर निवासी लोकेश साहू के रूप में हुई है। दुर्घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, घटना कुरूद थाना क्षेत्र के बायपास मार्ग की है। लोकेश साहू मोटरसाइकिल से गुजर रहा था। इसी दौरान एक ट्रेक्टर-ट्रॉली सड़क पार कर रही थी। तभी बाइक ट्रॉली से टकरा गई। टक्कर के बाद युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक लोकेश साहू बिरझर का निवासी था और बिरझर पुलिस चौकी में साफ –सफाई का काम करता था। उसकी अचानक मौत की खबर से परिजनों और परिचितों में शोक का माहौल है।

महिला से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार, घटना के बाद से चल रहा था फरार

बिलासपुर। महिला से छेड़छाड़ करने और विरोध करने पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में सीपत पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम उच्चभट्टी निवासी संदीप कुमार सूर्यवंशी (31 वर्ष) के खिलाफ 27 जून 2026 को पीड़िता ने सीपत थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी घर में घुसकर जबरदस्ती उसका हाथ और बांह पकड़ने लगा। विरोध करने पर उसने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर सीपत पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की थी। घटना के बाद से आरोपी फरार था और पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी।

दो हादसों से पसरा मातम, युवक की सड़क दुर्घटना में मौत, बुजुर्ग महिला तालाब में डूबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले के पलारी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में 42 साल के युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मिथलेश ध्रुव पिता बलिराम छेदैया, निवासी ग्राम ठेलकी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मिथलेश बुधवार शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच बाइक से ड्युटी के लिए घर से निकला था। वह भाक्वाडीह का बाी था। इसी दौरान खम्हरिया और ठेलकी के बीच उसकी बाइक अनियंत्रित होकर खेत में जा घुसी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पलारी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। रात होने के कारण शव को पोस्टमार्टम के लिए मचुरी में रखवाया गया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा। वरिष्ठ थानेदार प्रियस जान ने बताया कि

दुर्गा पंडाल की दान पेटी और शकुन टावर के एसी का कॉपर वायर चोरी, तीन आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। दुर्गा जिले के पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में दुर्गा पंडाल की दान पेटी से रकम और शकुन टावर में लगे एसी का कॉपर वायर चोरी करने के मामलों में पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की है। मामले में तीन वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो विधि से संघर्षरत बालकों को बाल न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर करीब दो किलोग्राम कॉपर वायर और 1200 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, शकुन टावर स्थित जिम के संचालक नितिश दुबे ने एसी का कॉपर वायर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। भवन के पीछे लगे एसी का वायर 28 और 29 तारीख की दर्यानी रात काटकर चोरी कर लिया गया था।

इंटरसेप्टर वाहन से तेज रफ्तार चालकों पर निगरानी

9 माह में 9216 वाहन चालकों पर कार्रवाई

तेज रफ्तार के 1,862, बिना हेलमेट के 6,920 और शराब पीकर वाहन चलाने के 226 मामले दर्ज

 	
 	

दुर्ग। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दुर्ग यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर इंटरसेप्टर वाहन के माध्यम से निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

यातायात पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2026 में जनवरी से सितंबर तक नौ माह के दौरान कुल 9,216 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस दौरान 69 लाख 44 हजार 100 रुपये समन शुल्क वसूल किया गया। कार्रवाई में निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वाले 1,862 वाहन चालक शामिल हैं।

इसी अवधि में प्रेशर हॉर्न का उपयोग करने वाले 153, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले 6,920, शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 226 तथा वाहनों में काली फिल्म लगाकर चलने वाले 55

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर युवक से बेल्ट से मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

 	
 	

बिलासपुर

दशहरा मेला देखने गए युवक से शराब पीने के लिए पैसे मांगने और इनकार करने पर मारपीट करने के मामले में सीपत पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर आरोपी राजकुमार केंवट को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस ने उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, प्रार्थी अनुराग ध्रुव (19 वर्ष), निवासी हरदीकला टोना, थाना सिरगिट्टी, वर्तमान में ग्राम कौड़िया निवासी रमेश मरावी के घर रहकर मजदूरी करता है। 20 अक्टूबर 2026 को काम खत्म करने के बाद वह रमेश मरावी के साथ दशहरा मेला देखने ग्राम कौड़िया गया था। रात करीब 8 बजे दोनों रवि तिवाली की किराना दुकान के पास रुके थे।

इसी दौरान ग्राम कौड़िया निवासी राजकुमार केंवट (33 वर्ष) वहां पहुंचा और अनुराग से शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपी ने कथित तौर पर अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और बेल्ट से अनुराग की पिटाई कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे रमेश मरावी के साथ भी आरोपी ने हाथ-मुठ्ठों से मारपीट की। घटना की शिकायत मिलने पर सीपत पुलिस ने अपराध दर्ज कर कार्रवाई की और आरोपी राजकुमार केंवट, निवासी ग्राम कौड़िया, थाना सीपत, जिला बिलासपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

केशलगढ़। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर खालेमुरैड के पास गुरुवार सुबह करीब 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। धान-चावल राशन से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खेत में जा गिरा। इतना गंभीर था कि ट्रक चालक वाहन के भीतर ही दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अपरा-तफ्ती का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक धमतरी से चावल लेकर कोंडगांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर खालेमुरैड के पास चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक सड़क से नीचे खेत में जा गिरा। हादसे में चालक ट्रक के भीतर बुरी तरह फंस गया। दुर्घटना का आयोजन था। बुजुर्ग महिला उत्सव देखने के बाद घर लौटी। इसके बाद रोज की तरह शाम को नहाने के लिए घर से करीब 200 मीटर दूर दतान मार्ग स्थित खलबोरा तालाब गई। देर तक घर नहीं लौटने पर बेटा संतोष और परिवार के अन्य लोग उसकी तलाश में जुट गए।

परिवार के लोगों को तालाब के घाट पर महिला के कपड़े और लाठी रखे मिले। इससे उसके डूबने की आशंका हुई। परिजनों ने रात में ही तालाब में उसकी तलाश की, लेकिन अंधेरा होने के कारण वह नहीं मिली। परिवार के लोग रातभर परेशान रहे और सुबह होने का इंतजार करते रहे। अगली सुबह तालाब के दूसरे छोर पर महिला का शव पानी में तैरता मिला। सूचना मिलते ही पलारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मार्ग कायम कर जांच शुरू की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।



तेज रफ्तार दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण

यातायात पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में से एक है। निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाने से न केवल चालक, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए इंटरसेप्टर वाहन के जरिए तेज गति से चलने वाले वाहनों की निगरानी कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा प्रेशर हॉर्न के अनावश्यक उपयोग, बिना हेलमेट वाहन चलाने और शराब के नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी अभियान जारी है। पुलिस का उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार बनाना और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।

चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

यातायात नियमों का पालन करने की

कमीशन के लालच में दिए बैंक खाते, साइबर ठगी के लाखों रुपए का ट्रान्जेक्शन, 13 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने 06 थानों एवं एसीसीयू की संयुक्त कार्रवाई में कुल 13 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि आरोपी 5,000 से 15,000 रुपये तक के कमीशन के लालच में अपने अथवा अन्य व्यक्तियों के बैंक खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध करा रहे थे।

आरोपियों द्वारा बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम का उपयोग किया जाए जाने का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के लेन-देन एवं हस्तांतरण में किया जा रहा था।थाना नेवाई, पुरानी भिलाई, भिलाई भट्टी, भिलाई नगर, सुपेला एवं खुसीपार क्षेत्र में कार्रवाई कर बैंकिंग दस्तावेज, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल फोन एवं अन्य दस्तावेज जप्त किए गए। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार साइबर अपराधों में



प्रयुक्त म्यूल बैंक खातों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत दुर्ग पुलिस द्वारा दिनांक 21.10.2026 को छह थाना क्षेत्रों में समन्वित कार्रवाई की गई। बैंक खातों के विश्लेषण, तकनीकी साक्ष्यों एवं विवेचना के आधार पर कुल 13 व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। जांच का उद्देश्य साइबर ठगी की रकम के अवैध हस्तांतरण में प्रयुक्त बैंक खातों की पहचान कर संबंधित व्यक्तियों की भूमिका का पता लगाना है। साइबर अपराधियों द्वारा ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न

बैंक खातों में स्थानांतरित कर उसकी वास्तविक प्रकृति एवं स्रोत छिपाने के लिए म्यूल बैंक खातों का उपयोग किया जाता है। ऐसे खातों का संचालन करने वाले व्यक्तियों को प्रायः कमीशन अथवा अन्य आर्थिक लाभ का लालच दिया जाता है।

दुर्ग पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में बैंक खातों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संबंधित बैंक खातों के विश्लेषण, तकनीकी साक्ष्यों के परीक्षण एवं विभिन्न थाना क्षेत्रों में समन्वित कार्रवाई के

पामगढ़ में अवैध महुआ शराब पर पुलिस की कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार



 	
 	

जांजगीर-चांपा

जिले में अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पामगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 22 लीटर कच्ची महुआ शराब, जिसकी कीमत 4,400 रुपये बताई गई है, और घटना में प्रयुक्त एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल जब्त की है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 21 अक्टूबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पामगढ़ थाना पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की और दो आरोपियों को पकड़ा।

माध्यम से संदिग्ध खाताधारकों की पहचान कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी व्यक्ति को कमीशन अथवा आर्थिक लाभ के लालच में अपना बैंक खाता, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, बैंकिंग संबंधी जानकारी या मोबाइल सिम कार्ड उपयोग के लिए उपलब्ध न कराएं। आपके बैंक खाते का उपयोग साइबर ठगी की रकम प्राप्त करने अथवा हस्तांतरित करने में किया जा सकता है, जिससे आप भी जांच एवं कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं। यदि आपके बैंक खाते या अन्य बैंकिंग साधनों का किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है, तो तत्काल संबंधित बैंक एवं नजदीकी पुलिस थाने को सूचना दें। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल **www.cybercrime.gov.in** पर शिकायत दर्ज करें।

उक्त कार्रवाई में थाना नेवाई, पुरानी भिलाई, भिलाई भट्टी, भिलाई नगर, सुपेला एवं खुसीपार की पुलिस टीमों तथा एसीसीयू के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संबंधित बैंक खातों के विश्लेषण, तकनीकी साक्ष्यों के परीक्षण एवं विभिन्न थाना क्षेत्रों में समन्वित कार्रवाई के

हिर्नी पुलिस की असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई

बिलासपुर। जिले के हिर्नी थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने असामाजिक गतिविधियों और अड्डेबाजी के खिलाफकार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई कर कार्यपालिक दंडाधिकारी के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर थाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, पुलिस टीम ने मेड़पार-बाजार, खरकेना, धौराभाटा सहित अन्य चिन्हित स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.) दूरभाष क्र. 0778-2323633, E-mail: eedurg-phe-cg@nic.in		
नि.सू.क्र./ 13/ तशा / (निविदा) / का.अ./ लो.स्वा.यां. खंड / 2026	दुर्ग, दिनांक 15-10-2026	
// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना // छत्तीसगढ़ राज्य के राष्ट्रपाल की ओर से एकीकृत पंजीवन प्रणाली अंतर्गत श्रेणी "डी" एवं उच्च में पंजीकृत ठेकेदारों से "प्रप्र ए" में प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 12.11.2026 शाम 5.30 बजे है।		
समूह क्र	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख)
01-03	दुर्ग जिले के विकासखंड धमधा के ग्राम पिटीय, खेरधा, नंदनी खुंदनी में रईसिंग मेन पंप स्थापना, पंप हाउस निर्माण सहित विद्युत कनेक्शन एवं अन्य सिविल कार्य।	14.77, 15.58, 15.90
यह निविदा सूचना मूल निविदा का एक अंग है। विस्तृत निविदा एवं पूर्ण जानकारी इस कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।		
कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड दुर्ग (छ.ग.)		
जी-262704069/3		

 हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) ॥ विश्वविद्यालय में खान-पान (कैटरिंग) व्यवस्था हेतु निविदा सूचना ॥	
क्रो 1260/HYV-Dev./Catering/2026 विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले 48वीं Indian Social Science Congress (ISSC) राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए (अनुमानित 400 प्रतिभागी हेतु) खान-पान (Catering) की व्यवस्था के लिये सेवाप्रदाता/निविदाकर्ता फर्मों से रजिस्टर्ड पोस्ट / स्वीडपोस्ट/कोरियर के माध्यम से सीलबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.durguniversity.ac.in से डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकते है। निविदा का वार्षिक अनुमानित मूल्य रु. 5,00,000/- (पांच लाख) है जिसकी 1% राशि रु. 5,000/- (रु. पांच हजार मात्र, वापसी योग्य) अमानत राशि के रूप में एवं निविदा प्रपत्र की राशि रु. 500/- (रु. पांच सौ मात्र, वापसी योग्य नहीं) राष्ट्रीयकृत / शेड्यूल्ड बैंक द्वारा जारी बैंक ड्राफ्ट कुलसचिव, हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के नाम से संलग्न करना अनिवार्य है। निविदा में किसी प्रकार के संशोधन की सूचना विश्वविद्यालय के वेबसाइट में दी जावेगी। पृथक से सूचित नहीं किया जावेगा । निविदा जमा करने की अंतिम तिथि – दि. 02/11/2026 समय 03.00 बजे निविदा खोलने की तिथि – दि. 02/11/2026 समय 04.00 बजे टिप:- विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.durguniversity.ac.in से प्राप्त निविदा प्रपत्र रु. 500/- का बैंक ड्राफ्ट संलग्न करने पर ही मान्य होगा । S-49512/1 कुलसचिव	दुर्ग, दिनांक 16/10/2026 Indian Social Science Congress (ISSC) राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए (अनुमानित 400 प्रतिभागी हेतु) खान-पान (Catering) की व्यवस्था के लिये सेवाप्रदाता/निविदाकर्ता फर्मों से रजिस्टर्ड पोस्ट / स्वीडपोस्ट/कोरियर के माध्यम से सीलबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.durguniversity.ac.in से डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकते है। निविदा का वार्षिक अनुमानित मूल्य रु. 5,00,000/- (पांच लाख) है जिसकी 1% राशि रु. 5,000/- (रु. पांच हजार मात्र, वापसी योग्य) अमानत राशि के रूप में एवं निविदा प्रपत्र की राशि रु. 500/- (रु. पांच सौ मात्र, वापसी योग्य नहीं) राष्ट्रीयकृत / शेड्यूल्ड बैंक द्वारा जारी बैंक ड्राफ्ट कुलसचिव, हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के नाम से संलग्न करना अनिवार्य है। निविदा में किसी प्रकार के संशोधन की सूचना विश्वविद्यालय के वेबसाइट में दी जावेगी। पृथक से सूचित नहीं किया जावेगा । निविदा जमा करने की अंतिम तिथि – दि. 02/11/2026 समय 03.00 बजे निविदा खोलने की तिथि – दि. 02/11/2026 समय 04.00 बजे टिप:- विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.durguniversity.ac.in से प्राप्त निविदा प्रपत्र रु. 500/- का बैंक ड्राफ्ट संलग्न करने पर ही मान्य होगा । S-49512/1 कुलसचिव



खास खबर



एशियाई पैरा गेम्स : प्रवीण ने जीता स्वर्ण तो बंटी ने दिलाया रजत पदक

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने एशियाई पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रवीण कुमार और रजत पदक हासिल करने वाले बंटी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने एक ही स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाया है। भारतीय पैरा एथलीटों की इस शानदार उपलब्धि ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। श्री चौधरी ने कहा कि टारगेट ओलंपिक पोज़िशन स्क्रीम से जुड़े प्रवीण कुमार ने 2.05 मीटर की शानदार छलांग लगाकर नया एशियाई पैरा गेम्स रिकॉर्ड स्थापित करते हुए लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। वहीं बंटी ने 1.92 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल कर देश की इस स्वर्णिम सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ी है। दोनों विश्वस्तरीय प्रतिभा का शानदार उदाहरण है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रवीण कुमार और बंटी की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी असाधारण खेल प्रतिभा से साबित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयासों से सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि देश के लाखों युवाओं, विशेषकर दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है।

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आरंग विकासखंड स्थित सतनाम पंथ की आस्था के प्रमुख केंद्र भण्डारपुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन एवं संत समागम मेले में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गुरुगद्दी आसन के दर्शन कर मनन किया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 29 करोड़ रुपए की लागत के तीन महत्वपूर्ण सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जी ने सत्य, अहिंसा, करुणा, समानता और सामाजिक समरसता का जो संदेश दिया, वह संपूर्ण मानव समाज के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक रहेगा। बाबा गुरु घासीदास जी का अमर संदेश 'मनखे-मनखे एक समान' हमें भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी की पावन कर्मभूमि भण्डारपुरी धाम सतनाम पंथ की आस्था के साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत का

भण्डारपुरी धाम में गुरु दर्शन एवं संत समागम मेले में शामिल हुए मुख्यमंत्री

बाबा गुरु घासीदास जी के बताए सामाजिक समरसता सत्य और अहिंसा की राह पर आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़



महत्वपूर्ण केंद्र है। गुरु दर्शन एवं संत समागम मेला हमारी आस्था, सामाजिक एकता और सद्भाव की गौरवशाली परंपरा का जीवंत

प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार बाबा गुरु घासीदास जी के बताए सत्य, करुणा, समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। विकास की यात्रा में कोई भी समाज, वर्ग अथवा क्षेत्र पीछे न रहे, इसी भावना के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सतनामी समाज की शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। समाज के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली स्थित कोचिंग संस्था में सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 200 की गई है। उन्होंने भण्डारपुरी में मोती महल के भूमिपूजन का उद्घेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार समाज की आस्था, संस्कृति और गौरव से जुड़े स्थलों के विकास एवं संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत के इस

संकल्प को साकार करने के लिए विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण हमारा लक्ष्य है। उन्होंने सभी से बाबा गुरु घासीदास जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सामाजिक सद्भाव और समरसता को मजबूत करने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने अपने उद्घोषण में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सतनामी समाज सतत विकास की ओर अग्रसर है। समाज की ओर से विकास से जुड़ी जितनी भी मांगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई हैं, उन्हें उन्होंने संवेदनशीलता के साथ पूरा किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समाज आगे भी चहुंमुखी विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि भण्डारपुरी में मोती महल का भूमिपूजन सामाजिक समरसता और समाज की सांस्कृतिक विरासत के प्रति मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए सीटों की संख्या बढ़ाकर 200 किए जाने से समाज

के अधिक युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

सतनामी समाज के धर्मगुरु श्री बालदास साहेब ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी ने समानता का संदेश देकर समाज को सत्य, सद्भाव और मानवता की राह दिखाई। उन्होंने समाज के लोगों से बाबा गुरु घासीदास जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए उनके विचारों और आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू, राजिम विधायक रोहित साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, सतनामी समाज के संतगण एवं पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

चार विकास कार्यों की घोषणा, 40 स्थानों पर बनेंगे लकड़ी के जैतखाम



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की मांग पर चार महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की घोषणा की। उन्होंने ग्राम पंचायत खमतलाई में हाई स्कूल भवन निर्माण के लिए 75 लाख रुपए, नगर पंचायत आरंग के ओड़ुका में नवीन प्राथमिक शाला भवन के लिए 30 लाख रुपए, नगरपालिका परिषद मंदिर हसौद के पीएम श्री स्कूल में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए एक करोड़ रुपए तथा चंदखुरी में नगर पंचायत कार्यालय के नवीन भवन निर्माण के लिए 85 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इसके साथ ही अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण मद से 40 स्थानों पर लकड़ी के जैतखाम स्थापित करने की भी घोषणा की।

खेलों को बढ़ावा देने बड़े पैमाने पर हो रहे आयोजन : खड़से

चलो रे संगी हॉकी खेलबो के साथ छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आगाज़



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को एक नया और पेशेवर आयाम देने वाली देश की पहली छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का रांगरंग और भव्य शुभारंभ रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में किया गया। चलव रे संगी हॉकी खेलबो के जीवंत उद्घोष के साथ शुरू हुई इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के ओलंपियनों, दिग्गज खिलाड़ियों और छत्तीसगढ़ के उभरते युवा खिलाड़ियों का एक अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन से राज्य के खेल जगत में प्रतिस्पर्धा का एक बिल्कुल नया दौर शुरू हो गया है, जो स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमकने का सुनहरा अवसर देगा। समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री डॉ. रक्षा निखिल खड़से ने की। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में राज्य सभा सांसद

श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, बीज निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चंद्राकर और खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार, छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के ब्रांड एंबेसडर सरदार सिंह, पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान सहित कई गणमान्य नागरिक और खेलप्रेमी भारी संख्या में मौजूद रहे। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री डॉ रक्षा निखिल खड़से ने कहा कि छत्तीसगढ़ आने का यह उनका दूसरा अवसर है, इससे पहले वे बेस्तर में खेलो इंडिया ट्राइबल खेल के आयोजन के दौरान यहाँ आई थीं। आज भारत खेलों में लगातार आगे बढ़ रहा है और खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर आयोजन किए जा रहे हैं और इसके लिए पर्याप्त बजट भी प्रदान किया जा रहा है। केवल क्रिकेट ही नहीं, बल्कि अन्य सभी खेलों को भी समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है। निजी संस्थान भी युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब छत्तीसगढ़ को देश के

एक प्रमुख खेल-गढ़ के रूप में जाना जाएगा। खेल मंत्री अरुण साव ने कहा कि इस छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की गूँज पूरे राज्य में चलो रे संगी हॉकी खेलबो के रूप में गूँजगी और आज का यह ऐतिहासिक अवसर हम सभी के लिए अत्यंत यादगार रहेगा। उन्होंने याद दिलाया कि आज ही के दिन, ठीक 25 साल पहले भारतीय जुनियर हॉकी टीम ने विश्व कप जीता था, और उसी स्वर्णिम विजेता टीम के सम्मानित सदस्य देवेश चौहान इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ की माटी ने विसेंट लकड़ा, मुणाल चौबे, रेणुका यादव और सबा अंजुम जैसे महान हॉकी खिलाड़ी देश को दिए हैं।

राज्य सभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है और छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए ऐसा उच्च-स्तरीय मंच मिलना बड़े सौभाग्य की बात है। इस लीग के आयोजन से प्रदेश के युवा खिलाड़ी अत्यधिक प्रेरित होंगे और उन्हें अपने खेल को निखारने का पूरा

मौका मिलेगा।

खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार ने बताया कि 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक चलने वाली इस लीग में कुल छह फ्रेंचाइजी टीमों पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरी हैं। प्रत्येक टीम में छत्तीसगढ़ के 18 स्थानीय खिलाड़ियों के साथ-साथ 4 प्रतिष्ठित ओलंपियन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, ताकि हमारे युवाओं को देश के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलने, उनकी तकनीक सीखने और एक उत्कृष्ट खेल वातावरण का अनुभव प्राप्त करने का मौका मिले।

छह प्रमुख फ्रेंचाइजी टीमों में ज़िंदल स्टील के स्वामित्व वाली चक्रधर चैंपियंस, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की न्यायधानी नाइट्स, श्री बजरंग पावर एंड इंपात की राजधानी रॉयल्स, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की मेरपाट टाइगर्स, सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स की संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और एनएनडीसी की फ्रेंचाइजी बैलाडीला बुल्स शामिल हैं। इन टीमों के माध्यम से कॉर्पोरेट और खेल क्षेत्र के बीच एक मजबूत तालमेल देखने को मिल रहा है। सभी मैच सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

प्राचीन धरोहर सिरपुर यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल

- लक्ष्मण मंदिर, बौद्ध विहार, सुरंग टीला और अद्भुत स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध
- सिरपुर में समाहित है लगभग डेढ़ हजार वर्षों का गौटवशाली इतिहास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। महासमुंद्र जिले में महानदी के तट पर स्थित प्राचीन नगरी सिरपुर को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। प्राचीन मंदिरों, बौद्ध विहारों, दुर्लभ मूर्तिकला, स्थापत्य वैभव और धार्मिक सहिष्णुता की अनूठी परंपरा के लिए प्रसिद्ध सिरपुर अब विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन

मानचित्र पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रदेश के महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने तथा सांस्कृतिक पर्यटन की संभावनाओं को विस्तार देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सिरपुर का यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल होना इसी दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 1 जनवरी 2026 को सिरपुर के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों का अवलोकन किया था। इस दौरान उन्होंने सिरपुर की समृद्ध विरासत, प्राचीन स्मारकों और स्थापत्य कला की सराहना करते हुए इनके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आवश्यक कार्य किए जाने तथा सिरपुर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए प्राथमिकता से प्रयास करने की बात कही थी।

दक्षिण कोसल की राजधानी रहा है सिरपुर

सिरपुर का इतिहास भारतीय सभ्यता, धार्मिक सहिष्णुता, सांस्कृतिक समन्वय और स्थापत्य कला की अद्भुत विरासत को समेटे हुए है। प्राचीन काल में



श्रीपुर के नाम से विख्यात यह नगर पाण्डुवंशी शासकों के शासनकाल में दक्षिण कोसल की राजधानी रहा। महानदी के तट पर स्थित यह नगर राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र था।

सिरपुर की प्राचीनता का प्रमाण शरभपुरीय शासकों प्रवरराज और महासुदेवराज के ताम्रपत्रों से प्राप्त होते हैं। पाण्डुवंशी शासक महाशिवगुप्त बालार्जुन के 57 वर्षों के शासनकाल में सिरपुर ने सांस्कृतिक और स्थापत्य विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया। इस काल में अनेक मंदिरों, बौद्ध विहारों, सरोवरों तथा उद्यानों का

निर्माण हुआ।

सातवीं शताब्दी में प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी इस क्षेत्र की यात्रा की थी। उस काल में इस क्षेत्र में लगभग 100 बौद्ध संघाराम तथा महायान परंपरा के लगभग 10 हजार भिक्षुओं की उपस्थिति का वर्णन मिलता है।

सिरपुर की सबसे बड़ी विशेषता यहां शैव, वैष्णव, बौद्ध और जैन धार्मिक परंपराओं का सहअस्तित्व है। स्वयं शैव मत के अनुयायी होने के बावजूद महाशिवगुप्त बालार्जुन ने बौद्ध विहारों को उदारतापूर्वक दान देकर संरक्षण प्रदान किया। यह तथ्य सिरपुर को प्राचीन भारत में धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक समन्वय के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करता है।

सिरपुर का लक्ष्मण मंदिर भारतीय स्थापत्य कला की उत्कृष्ट उपलब्धियों में गिना जाता है। इसी तरह गंधेश्वर महादेव मंदिर सिरपुर की धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां किए गए पुरातात्विक उत्खनन में अनेक बौद्ध विहारों के अवशेष प्राप्त हुए हैं। इन विहारों में ध्यान, अध्ययन, अध्यापन और भिक्षुओं के निवास की व्यवस्था थी। आनंदप्रभु कुटी विहार और स्वास्तिक विहार विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।